Date
Page No.

Chapter-5

# बालगोबिन भगत

## शब्दार्थ :

1. मँझोला : न बहुत बड़ा न बहुत छोटा
2. कमली : कंबल
3. पतोहू : पुत्रवधू / पुत्र की स्त्री
4. रोपनी : धान की रोपाई
5. कलेवा : सवेरे का जलपान
6. पुरवाई : पूरब की ओर से बहने वाली हवा
7. अधरतिया : आधी रात
8. खँजड़ी : ढफली के ढंग का परंतु आकार मे उससे छोटा एक वाद्य यंत्र
9. निस्तब्धता : सन्नाटा
10. लोही : प्रात: काल की लालिमा
11. कुहासा : कोहरा
12. आवृत : ढका हुआ, आच्छादित
13. कुश : एक प्रकार की नुकीली घास
14. बोदा : कम बुद्धि वाला
15. संबल : सहारा

## प्रश्नो के उत्तर दो :

Q1. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे ?

Ans: खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत के चारित्रिक विशेषताओं का कारण यह है कि वह कबीर को साहब मानते थे, उन्ही के गीतो को गाते, उन्ही की आदर्शो पर चलते, कभी झूठ नही बोलते न किसी से खरा व्यवहार रखते, किसी से भी दो-टूक बात करने मे संकोच नही करते न किसी से खामखाह मोल लेते किसी की चीज नही छूते न बिना पूछे व्यवहार मे लेते,

Page No.

Q2. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

Ans: भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि वह जानती थी उसकी सिवा घर में उनका इस बुढ़ापे में देखभाल करने वाला और कोई नहीं है, उसके चले जाने पर कौन उन्हें खाना पकाकर देगा या बिमार पड़ने पर कौन सेवा करेगा।

Q3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त की?

Ans: भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ कुछ इस तरह व्यक्त की आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़ा ढक दिया और उस पर कुछ फूल और तुलसी पत्ते बिखर दिया सिर-होने पर एक दिया जलाकर रखा तथा पुत्रबधू को रोने के बदले उत्सव मनाने की समझाते और कहते आत्मा परात्मा के पास चली गई बिरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली भला इससे बढ़कर आनन्द की क्या बात।

Q4: भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए,

Ans: बालगोबिन भगत साठ सालवाले मझले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे बाल पक गए थे, कपड़े बहुत कम पहनते थे, कमर में एक बेलगोटी और सिर पर कबीर पंथियों सी कनफटी टोपी। जाड़े में एक काली कम्बल ऊपर से ओढ़ लेते थे, मस्तक पर रामानंदी टीका और गले में तुलसी की जड़ों की एक बेजोड़ माला बाँधे रहते। इस तरह उनका वेशभूषा और जीवन आदर्शों से भरा हुआ था।

Q5: बालगोबिन भगत का दिनचर्या लोगों के आचरण की कारण क्यों थी?

Ans: बालगोबिन भगत का दिनचर्या लोगों के आचरण का कारण थी क्योंकि गृहस्थ होते हुए भी साधू की तरह जीवन बिताई, वे बिना पूछे

की चीज को न छूते न व्यवहार मे लाते वर्षा हो या दाँत किर किराने वाली जाड़े वे प्रतिदिन भोर दो मिल दूर जाकर नदी स्नान करते और गाँव के पोखर के भिंडे पर खंजरी बजाकर टेर लगाते, वे हर साल तीस कोस गंगा स्नान के लिए जाते घर से ही खाकर निकलते फिर चार पाँच दिन बाद घर लौटकर खाते। रास्ते मे सिर्फ पानी पिते थे जीवन के आखरी समय तक उनका वही नियम पालन करते थे,

Q6. पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

Ans. बालगोबिन भगत प्रभू-भक्ति के मस्ती भरे गीत गाया करते थे, उनके ~~[illegible]~~ गानो मे सच्चे टेर होती थी, उनका स्वर ~~[illegible]~~ इतना मोहक, ऊँचा और आरोही होता था कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते थे, औरतें उस गीत को गुनगुनाने लगती थी, खेतो मे काम करने वाले किसानो के हाथ और पांव एक विशेष ~~[illegible]~~ लय मे चलने लगते थे, उनके संगीत मे जादूई प्रभाव था, वह मनमोहक प्रभाव सारे वातावरण पर छा जाता था, यहाँ तक कि घनघोर सर्दी और गर्मियो की उमस भी उन्हें डिगा नही पाती थी,

Q7. कुछ मार्मिक प्रसंगो के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नही मानते थे, पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए,

Ans. यह सत्य है कि बालगोबिन भगत का ~~[illegible]~~ अंतर्मन ही उन्हें आदेश देता था, वे समाज की मान्यताओं पर विश्वास नही करते थे, समाज की मान्यता है कि पति की चिता को पत्नी आग नही दे सकती, पत्नि को चाहिए कि वह पति की मृत्यु के बाद विधवा बनकर सास - ससूर की सेवा मे दिन बिताए, बालगोबिन ने ~~[illegible]~~ इन दोनों मान्यताओं के विरुद्ध व्यवहार किया, उन्होने अपने बेटे की चिता को पतोहू के हाथो से ही आग दिलवाई, उसके बाद उन्होने पतोहू को दुसरे विवाह के लिए

स्वयं उसके भाईओं के साथ वापस भेज दिया, बालगोबिन भगत ने समान देखादेखी पुत्र की मृत्यु को परमात्मा पर शोक से नहीं मनाया, उन्होंने पुत्र की मृत्यु को परमात्मा से मिलन का उत्सव माना इसलिए वे शोक मनाने की बजाय प्रभु भक्ति के गीतों मे तल्लीन हो गए, उन्होंने अपनी पुत्रवधू को भी शोक न मनाने की सलाह दी।

Q8. धान की रोपाई समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कार कर देती थी? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

Ans. खेतो मे धान की रोपाई चल रही थी, बालगोबिन भगत भी एक-एक उंगली से धान के पौधों को पक्तिबध्द करके रोप रहे थे, तभी उन्होंने मस्ती भरी तान छेड़ी, उनके गीत का स्वर इतना मनमोहक ऊँचा और अरोही था कि वह सीधे आकाश मे स्थित परमात्मा को टेरता, प्रतीत होता था, उसे सुनकर खेतो मे उछल-कूद मचाते बच्चों मे एक मस्ती आ गई, मेड़ो पर बैठी औरतो के ओंठ गाने के लिए बेचैन हो उठे, किसानों की उंगलियो मे भी एक क्रमिक लय आ गई, हल चलाने वाले किसानो के पैर संगीत की थाप चलने लगें, इस प्रकार उनके संगीत का जादू सारे वातावरण पर छा गया।

Q9. पाठ के आधार पर बताएं कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों मे ~~प्रकट~~ प्रकट हुई है?

Ans. बालगोबिन भगत कबीर के प्रति ~~अ~~ असीम श्रद्धा रखते थे, उन्होंने अपनी श्रद्धा को निम्न रूपो मे व्यक्त किया है:

(i) उन्होंने स्वयं को कबीर-पंथ के प्रति ~~समपत्ति~~ समर्पित कर दिया, वे अपना जीवन कबीर के आदेशो पर चलाते थे, कबीर ने गृहस्थी करते हुए संसार के आकर्षणो से दूर रहने की सलाह दी थी, बालगोबिन भगत ने भी यही किया, उन्होंने ~~ख~~ खेतीबारी करते हुए कभी लोभ-लालच स्वार्थ या आडंबर-भरा जीवन नही जिया। जैसे कबीर अपने व्यवहार मे खरे थे, उसी प्रकार बालगोबिन भगत

| Date |
|---|
| Page No. |

भी व्यवहार मे खरे रहे,

(ii) भगत जी ने अपनी फसलों को भी ईश्वर की संपत्ति माना, वे फसलों को कबीरमठ मे अर्पित करके प्रसाद रूप मे पाई फसलों का भोग करते थे।

(iii) कबिर ने नर-नारी की समानता पर बल दिया बालगोबिन भगत ने भी कबीर के आदेशानुसार अपनी आत्मा की आवाज पर व्यवहार किया, उन्होंने वही किया, जो उन्हें उचित और हितकारी लगा।

(iv) कबीर मनुष्य-शरीर को नश्वर मानते थे, वे जीवन को प्रभु-भक्ति मे लगाने की सीख देते थे, बालगोबिन भगत ने उनके इन आदेशो को पूरी तरह माना, उन्होंने अपने पुत्र की मृत्यु को भी उत्सव मे बदल दिया, और अंत तक गीत गाते रहे,

Q.10 आपकी दृष्टि में भगत की कबिर पर अगाध श्रध्दा के क्या कारण रहे होंगे?

Ans. मेरी दृष्टि मे भगत सच्चे सरल-हृदय किसान थे, वे कबीर की भक्ति से प्रभावित हुए होगे, उन्हें कबिर को साफ आवाज मे सच्चाई नजर आई होगी, यह सच्चाई उनके सच्चे हृदय मे बैठ गई होगी, उन्होंने तब से अपनी आत्मा को कबीर के चरणो मे झुका दिया होगा, उन्होंने कबीर को अपना गुरु मान लिया, अपने जीवन को उन्ही के अनुसार ढाल दिया।

Q.11 गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यो भर जाता है?

Ans. भारत कृषि-प्रधान देश है, यहाँ के गाँव कृषि पर आधारित है, कृषि वर्षा पर आधारित है। वर्षा आषाढ़ मास मे शुरु होती है, इसलिए आषाढ़ मास मे गाँववासी बहुत प्रसन्न नजर आते है, वे साल भर आषाढ़ मास की प्रतीक्षा करता है। ताकि खेतो मे धान रोप सकें, उन दिनो बच्चे भी खेतो की गीली मिट्टी मे लथपथ होकर आनंद-क्रीड़ा करते है, औरते नाश्ता परोसकर किसानो का भरपूर सहयोग

Date
Page No.

करती है, किसान हल जोतते है तथा दिन भर बुवाई करते है। वे सभी फसलों की आशा मे उल्लास से भर जाते है, इन्ही दिनो गाँव का सामाजिक वातावरण सांस्कृतिक रंगो से ओतप्रोत हो उठता है,

Q.12- "ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे।" क्या 'साधु' की पहचान पहनावे के आधार पर की जानी चाहिए? आप किन आधारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि अमुक 'व्यक्ति 'साधु' है?

Ans- साधु की पहचान उसके पहनावे से भी होती है, साधु व्यक्ति अगर संसारिक आकर्षणों से बंधा नही है तो वह सुंदर पहनावे की ओर ध्यान नही देता वह कम-से-कम कपड़े पहनता है, प्राय वह धोती, कंबल जैसे बिना सिले कपड़े पहनता है और सादगी से रहता है, परंतु साधु के पहचान ये कपड़े नही है, बहुत से ढोंगी लोग साधुओ का वेश धारण करके संसार के सुखों का भोग करते है, मेरे विचार से साधु की सच्ची पहचान उसके व्यवहार से होती है, सच्चा साधु अपना ध्यान संसार की ओर नही प्रभु-भक्ति की ओर लगाता है, वह व्यवहार मे सच्चा, सादा, आडंबरहीन और साफ रहता है, वह किसी से झगड़ा बमोल नही लेते, कभी किसी का अधिकार नही छोड़ता वह अपनी कमाई को भी प्रभु-चरणों मे अर्पित कर देता है,

Q.13- मोह और प्रेम मे अंतर होता है, भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे?

Ans- मोह और प्रेम मे निश्चित रूप मे अंतर होती है, मोह मे मनुष्य अपने स्वार्थ की चिंता करता है, प्रेम मे वह प्रिय का हित देखता है, बालगोबिन भगत ने अपने व्यवहार से यह अंतर सिद्ध किया, उन्होने अपनी पतोहू के पति मोह प्रकट न करके प्रेम प्रकट किया, यदि वे उसे अपनी सेवा के लिए रख लेते तो यह उनका मोह होता, उन्होने पतोहू के भविष्य की चिंता की, इसलिए उसका जीवन सुधारने के लिए उसे दूसरा विवाह करने की सलाह दी, इससे उनका प्रेम प्रकट हुआ,

Multiple Choice Questions (MCQs):

1. बालगोबिन भगत के गीतों में कैसा भाव व्यक्त होता था? प्रभु-मिलन का
2. बालगोबिन के गीतों को सुनकर वहाँ उपस्थित सभी लोग क्या करते थे? झूम उठते थे।
3. भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी? ससुर की चिंता के कारण।
4. बालगोबिन का व्यवसाय क्या था? खेती
5. भगत जी भजन गाते समय क्या बजाया करते थे? खंजड़ी।
6. भादों की रात कैसी होती है? अँधेरी
7. भगत जी अपने बेटे का खास ख्याल रखते थे क्योंकि वह: ~~प्रतिभावान था~~ सुस्त और बोदा था।
8. बालगोबिन भगत किसके पद गाया करते थे? कबीर के।
9. भगत जी बेटे के मरने के बाद अपनी बहू की दूसरी शादी क्यों करवाना चाहते थे? उसके सुखद भविष्य के लिए।
10. सुबह-सुबह बालगोबिन भगत क्या गाते थे? भजन।
11. बेटे के मरने पर भगत जी क्या कर रहे थे? ~~भजन~~ भजन गा रहे थे।
12. लेखक बालगोबिन भगत के किस गुण पर मुग्ध थे? मधुर संगीत-गायन।
13. भगत जी के बेटे का क्रिया-कर्म किसने किया? बहू ने।
14. बालगोबिन भगत आत्मा और परमात्मा के बीच कौन-सा संबंध मानते थे? प्रेमी-प्रेमिका
15. बेटे के मृत्यु के पश्चात् बालगोबिन भगत की आखिरी दलील क्या थी? पतोहू का पुनर्विवाह करवाना।
16. बालगोबिन भगत की मृत्यु का कारण क्या था? बीमारी।
17. 'बालगोबिन भगत' शीर्षक पाठ के लेखक कौन हैं? रामवृक्ष बेनीपुरी।
18. बालगोबिन भगत की आयु कितनी थी? साठ वर्ष से अधिक।
19. बालगोबिन की टोपी कैसी थी? कबीरपंथियों जैसी।
20. बालगोबिन कबीर को क्या मानते थे? साहब।
21. बालगोबिन भगत अपनी फसल को पहले कहाँ ले जाते थे? कबीरपंथी मठ में।
22. लेखक ने 'रोपनी' किसे कहा है? धान के रोपाई को।
23. बालगोबिन भगत खेत में क्या करते हैं? धान के पौधे लगाते हैं।

Date
Page No.

बालगोबिन भगत के संगीत को लेखक ने क्या कहा है? जादू।

24. 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा।' इस पंक्ति में मुसाफिर किसे कहा गया है? मनुष्य को।

25. कार्तिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?

26. ~~प्रभात को~~ प्रभातफेरी शुरू करते लगते।

27. बालगोबिन भगत किसे निगशनी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार मानते थे? कमजोर व्यक्तियों को।